बी.एस.पी. द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति–दिनांक 05.06.2025

बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की चार बार रहीं मुख्यमंत्री व कई बार रहीं सांसद सुश्री मायावती जी ने देश में पार्टी व मूवमेन्ट के हित में तथा देश व जनहित में विचार व्यक्त किये है जिसके मूल अंश इस प्रकार से है।

लखनऊ, 5 जून 2025, दिन बृहस्पतिवार : बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की चार बार रहीं मुख्यमंत्री व कई बार रहीं सांसद बहन कु. मायावती जी ने अपने व्यक्तित्व में कहा कि **मीडिया बन्धुओं** इसमें कोई सन्देह नहीं है कि देश में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की मूवमेन्ट को आगे बढ़ाने वाली तथा दलितो एवं अन्य उपेक्षित वर्गों की, बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय के सिद्धान्तों पर चलने वाली यहाँ एक मात्र अम्बेडकरवादी पार्टी, केवल BSP है और जबसे इस पार्टी के सांसद व विधायक आदि बने हैं तथा यू.पी जैसे विशाल राज्य में भी यह पार्टी कई बार सत्ता में आई है। तो तबसे केन्द्र व राज्यों की भी सत्ताधारी और विपक्ष की भी अम्बेडकर विरोधी जातिवादी पार्टियाँ, किस्म–किस्म के **''साम, दाम, दण्ड, भेद''** आदि अनेको हथण्कडे इस्तेमाल करके, बी.एस.पी को कमजोर करने मे लगी है।

और इस मामले में, सत्ता व विपक्ष मे बैठी जातिवादी पार्टियों ने पर्दे के पीछे से विशेषकर दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों मे से कुछ **'अवसरवादी'** व स्वार्थी किस्म के लोगो को मैनेज (खरीद–फरोख्त) करके, तथा उनके जरिये अभी तक जो भी अनेको संगठन व पार्टियाँ आदि बनवाई है। तो उन्हें फिर ये पार्टियाँ अपने फायदे के हिसाब से सक्रीय करके व विशेषकर BSP के मजबूत रहे राज्यो मे और उसमें भी उत्तर प्रदेश मे, किस्म–किस्म के हथकण्डे इस्तेमाल करके, यहाँ दलितो एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के लोगो को गुमराह करके, उनके वोटों को बाँटने में लगी है ताकि BSP आगे बढ़ने से रूक जाये।

ऐसे में, दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों मे से बने इस किस्म के पार्टी विरोधी, संगठनों एवं पार्टियों से, इन वर्गों के लोगो को जरूर सावधान रहना है। अर्थात् इन्हे ऐसे सभी स्वार्थी एवं अवसरवादी पार्टियो व संगठनों से सदैव दूरी बनाकर रखना है क्योंकि इस किस्म के संगठनों व पार्टियों से बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं बी.एस.पी के जन्मदाता व संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी की बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय की मूवमेन्ट से कुछ भी लेना देना नही है।

जबकि वास्तव में इनकी मूवमेन्ट को आगे बढ़ाने के लिए, BSP पूरे जी–जान से लगी हुई है। जिसे आगे बढ़ते एवं मजबूत होते हुये देखकर, अब पूरे देश में व खासकर यू.पी में यहाँ सत्ता एवं विपक्ष की सभी जातिवादी पार्टियाँ बहुत ज्यादा दु:खी व चिन्तित भी है। और अब पिछले कुछ समय से जबसे BSP, फिर से मजबूत होनी शुरू हुई है। तो तब से अब यहां सभी विरोधी पार्टियाँ, विशेषकर दलित वर्ग से जुड़े अवसरवादी व स्वार्थी किस्म के संगठनों व पार्टियों आदि को विभिन्न स्तर पर इस्तेमाल करके,

तथा उनके जरिये, आयदिन किस्म–किस्म के कार्यक्रम आदि करवाके, यहां दलितो एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के लोगो को गुमराह करने में लगी है। तथा उनकी ताकत को भी बाँटने व कमजोर करने मे लगी हुई है। जिनके बहकावे मे इन वर्गों के लोगो को बिल्कुल भी नही आना है। और इसके लिए अब ये अवसरवादी व स्वार्थी किस्म के बने संगठन एवं पार्टियाँ यहाँ जातिवादी पार्टियों के हाथो मे खेलकर तथा एक सोची–समझी रणनीति के तहत् बी.एस.पी के भोले–भाले लोगो को अपने इन संगठनों व पार्टियों आदि से जोड़ने के लिए अब अपने कार्यक्रमो व बैठको आदि में, **मान्यवर श्री कांशीराम जी** का व मेरा खुद का भी नाम लेकर यह कहते घूम रहे हैं कि **हम तो इनके मिशन को ही आगे बढ़ाने मे लगे है। और इसके लिए हम बहन जी का भी काफी सम्मान करते है।**

साथ ही यह भी कहते है कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जिस अधूरे पड़े कारवाँ को BSP पूरा करने मे लगी है, उसके साथ हम भी खड़े है। इस प्रकार से ये सब **लिपड़ी–चिपड़ी** बातें कहकर अब ये अवसरवादी एवं स्वार्थी किस्म के संगठन एवं पार्टियाँ BSP के लोगों को गुमराह करने मे लगी है। तथा इस पार्टी को कमजोर करने में लगी है।

जबकि इस मामले में हमारी पार्टी का यह कहना है कि **''यदि इनकी, इन सब बातो मे रत्तीभर भी सच्चाई होती''**, तो तब फिर ये लोग विरोधी पार्टियों के हाथो में खेलकर अपने अनेको संगठन एवं पार्टियाँ आदि नही बनाते और फिर ये लोग सीधे BSP से ही जुड़कर, अपनी बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय की पार्टी को ही मजबूत करते है। लेकिन ऐसा ना करके ये लोग एक सोची–समझी रणनीति के तहत इस किस्म की बाते कहकर, हमारे बी.एस.पी से जुड़े भोले–भाले दलितों एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के लोगो को गुमराह करने में लगे है।

और इस किस्म की बातें कहकर बी.एस.पी को आगे बढ़ने से रोकने मे लगे है। जिनसे इन वर्गों के लोगों को हमेशा सचेत रहना है। ताकि यहाँ जातिवादी पार्टियाँ इनके जरिये BSP को कमजोर व खत्म करने के अपने इस मकसद मे कामयाब ना हो सके। इतना ही नही बल्कि अब ये विरोधी पार्टियाँ इनसे अनेको और भी हथकण्डे इस्तेमाल करवा सकती है, ताकि फिर देश में BSP का अस्तित्व ही ना के बराबर रह जाये इसके साथ ही अब तो ये जातिवादी पार्टियाँ, अपने राजनैतिक लाभ के लिए, इन स्वार्थी व अवसरवादी संगठनों एवं पार्टियों को जिन्दा रखने के लिए, चुनाव में अपने वोट भी Transfer कराके इनके अब एक आदि M.P. व M.L.A. भी जितवा कर भेज रही है।

इतना ही नहीं बल्कि E.V.M. में भी धांधली कराके अब बी.एस.पी के उम्मीद्वारों को जीतने भी नहीं दे रही है। ताकि दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के लोगों का BSP से मोह भंग हो जाये। हालाँकि E.V.M. में धांधली को लेकर अब विपक्ष की पार्टियाँ भी काफी कुछ बोल रही है। ऐसे में अब हमारी पार्टी सहित अधिकाशः विपक्ष की पार्टियाँ भी यही चाहती है कि देश मे सभी छोटे–बड़े चुनाव पूर्व की तरह ही बैलेट–पेपर के जरिये होने चाहिये। जो वर्तमान सरकार के रहते तो सम्भव नहीं हो सकता है।

लेकिन उम्मीद है कि सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह सब सम्भव हो जाये। इसलिए ऐसी सम्भावना के चलते अभी, अपनी पार्टी के लोगों को भी कतई निराश नहीं होना है। बल्कि इनको अपनी पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाते रहना बहुत जरूरी है। क्योंकि देश मे वर्तमान मे चल रहे राजनैतिक हालातों में यह E.V.M. वाला सिस्टम कभी भी बदल सकता है। और फिर यहाँ बैलेट–पेपर से ही देश में हर चुनाव होंगे। और ऐसा हो जाने पर फिर BSP के भी अच्छे दिन पुनः वापिस लौट आयेंगे।

इस उम्मीद के साथ ही पार्टी के लोगों को, यहाँ जातिवादी पार्टियों के इशारो पर बने ऐसे सभी अवसरवादी एवं स्वार्थी किस्म के संगठनो व पार्टियों आदि के हथकण्डो से सावधानी बरतते रहना बहुत जरूरी है। इसके साथ ही पार्टी के लोगों को अपनी एकमात्र हितैषी पार्टी BSP के जनाधार को बढ़ाने की तरफ भी विशेष ध्यान देना है। ताकि फिर अपनी यह पार्टी खासकर यू.पी में पुनः पूर्ण–बहुमत के आधार पर सत्ता में आसीन हो सके। जो यह सर्वजन के हित में होना यहाँ बहुत जरूरी है।

इसलिए कांग्रेस, बीजेपी व सपा आदि इन पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर, दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों की एकता व इनकी एकमात्र हितैषी एवं अम्बेडकरवादी पार्टी BSP को कमजोर करने वाले ऐसे अवसरवादी व स्वार्थी संगठनों एवं पार्टियों के नेता, चाहे अपने निजी स्वार्थ में सांसद, विधायक व मन्त्री आदि क्यों ना बन जाए, तो भी इससे इन वर्गों के लोगो का कुछ भला होने वाला नही है।

इसके इलावा यहाँ मैं यह भी कहना चाहूँगी कि पिछले कुछ समय से हमे यह भी देखने के लिए मिल रहा है। कि देश की राजनीति में एक–दूसरे के विरुद्ध द्वेष, विद्वेष, संकीर्णता व मुकदमेबाजी आदि की नकारात्मकता इस हद तक बढ़ गयी है कि आयदिन नेताओं के बीच किसी न किसी विषय को लेकर होने वाली असभ्य एवं अभद्र आचरण से जनता काफी हैरान व दुःखी भी है कि अतः वर्तमान में चल रहे ऐसे हालातों में इन लोगों से सही जन व देशहित कैसे संभव हो सकता है?

जबकि वास्तव में देश में ऐसा फैला विषैला माहौल (वातावरण) सीधे तौर पर यहाँ के विकास व आत्मनिर्भरता के प्रयास को बाधित कर रहा है तथा देश के धन्नासेठों की सम्पत्ति अब ज्यादातर विदेशी निवेश में जाने लगी है, जिससे यहाँ की अपार **गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा व पिछड़ापन** आदि की ज्वलन्त समस्याएं और भी ज्यादा गंभीर होती जा रही है।

और इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में अस्थिरता की मिल रही खबरे भी अति चिन्तनीय है। देश के जीडीपी (G.D.P) ग्रोथ में गरीब बहुजनों की उचित हिस्सेदारी ना होना अर्थात् देश के विकास में सर्वसमाज का हित निहित नहीं होना यह वास्तविक कारण है जो सबके विकास को अपेक्षित संतोष नहीं दे रहा है। इसलिए सबका विकास (inclusive growth) होना जरूरी है।

साथ ही देश के गरीबी एवं बेरोजगारी–मुक्त बहुअपेक्षित विकास यानि कि सुखी–सम्पन्न लोगों के विकसित भारत के निर्माण में केन्द्र की बहुजन–हितैषी नीतियों के साथ–साथ राज्यों के गुड गवरनेन्स की भी भरपूर भूमिका नो होना, यह भी सोचने की बात है। जबकि यूपी जैसे बड़े राज्यों को भी **'सबके विकास'** का दायित्व निभाना अत्यन्त आवश्यक है। इतना ही नहीं बल्कि वर्षों से अपने देश की सीमायें भी पूरे–तौर से सुरक्षित नही होने के कारण यहाँ समय–समय पर आतंकवादी वारदाते भी आयदिन घटित होती रहती है।

अभी हाल ही में पहलगाम की हुई ताजा घटना इस बात का खास उदाहरण है। जो अति–दुःखद व चिन्तनीय भी है। जिस पर इस समय देश मे काफी राजनीति भी की जा रही है। यह भी बड़े दुर्भाग्य की बात है, जो नही होनी चाहिये। वहीं दूसरी तरफ अब देश मे **'कोरोना'** का भी तेजी से प्रकोप बढ़ रहा है जिसके रोकथाम के लिए भी सभी राज्य सरकारों को विशेष ध्यान देना चाहिये।

साथ ही देश में लगातार बढ़ रही गरीबी एवं महंगाई आदि ने भी लोगो को अब काफी तोड़कर रख दिया है। इनके साथ–साथ इस समय देश के कुछ भागों मे भारी वर्षा व तूफान आदि आने की वजय से भी लोग बहुत ज्यादा मुश्किल में है। इन सब मामलों में भी केन्द्र व राज्य सरकारों को जरूर ध्यान देना चाहिये। साथ ही सरकारें कार्यक्रर्मों के प्रति गम्भीर व संवेदनशील ना होने के कारण आयदिन मची भगदड़ में हो रही मौतें भी अति–चिन्ता की बात है। इस ओर भी सरकारों को जरूर ध्यान देना चाहिये। अब मैं अपनी बात यहीं समाप्त करती हूँ। **धन्यवाद, जयभीम व जयभारत**

जारीकर्ताः
बी.एस.पी. यूपी स्टेट कार्यालय
12 माल एवेन्यू,
लखनऊ–226001